सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

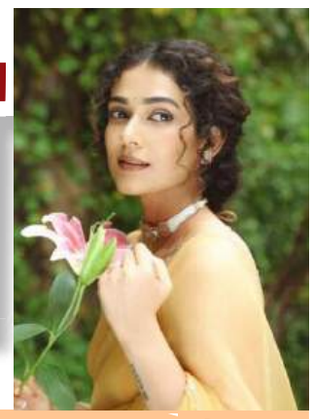

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया -पेज: 7

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 117 | मंगलवार 05 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

चीन-भारत सीमा विवाद पर एससी ने राहुल गांधी को लगाई फटकार, कहा- आपको कैसे पता चीन ने जमीन हड़पी

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रहे आपराधिक मानहानि मामले पर रोक लगा दी। यह मामला 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के भारतीय सेना पर दिए गए बयान से जुड़ा है। राहुल ने कहा था, "अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों को पीट रहे हैं।" यह बयान सरकार की लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीनी घुसपैठ की आलोचना के तौर पर था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए पूछा कि आखिर उन्होंने ऐसे बयान सोशल मीडिया पर क्यों दिए? बार एंड बेंच के अनुसार, कोर्ट ने सवाल किया कि इस तरह के मुद्दों को संसद में क्यों नहीं उठाया गया। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या उनके बयान किसी विश्वसनीय जानकारी पर आधारित थे। संसद में क्यों नहीं उठाया मुद्दा?

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रहे आपराधिक मानहानि मामले पर रोक लगा दी है। यह मामला 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर दिए गए राहुल गांधी के एक बयान से संबंधित है।

जस्टिस ने कहा, "सोशल मीडिया पर बयान क्यों? संसद में क्यों नहीं? आपको कैसे पता कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने हड़प ली? क्या आपके पास कोई पक्की जानकारी है? एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। जब सीमा पर तनाव हो, तो क्या आप इस तरह की बात कह सकते हैं? आप सिर्फ बोलने की आजादी (19(1)(ए)) के नाम पर कुछ भी नहीं कह सकते।" राहुल गांधी (राहुल गांधी सेना मानहानि मामला) की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि राहुल के बयान की वजह से कोई तीसरा व्यक्ति मानहानि का केस नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, "किसी को इस तरह मानहानि के आरोपों से परेशान नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता अग्रीव्ड पर्सन नहीं है, लेकिन फिर भी उसे नुकसान हुआ। हाईकोर्ट का तर्क सही नहीं था।" इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई पर रोक लगाते हुए राज्य को नोटिस जारी किया। अब यह मामला तीन हफ्तों बाद फिर सुना जाएगा। क्या है पूरा मामला, कहां से शुरू हुआ विवाद? यह मामला लखनऊ की एक अदालत में दायर एक शिकायत से शुरू हुआ था। इसके वकील विवेक तिवारी ने बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से दाखिल किया था। श्रीवास्तव रैंक में सेना के कर्नल के बराबर थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी ने भारत-चीन सैन्य झड़प (9 दिसंबर 2022) पर टिप्पणी करते हुए भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक और मानहानिकारक बयान दिया था। लखनऊ की अदालत के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने राहुल गांधी को इस मामले में 24 मार्च को सुनवाई के लिए पेश होने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ राहुल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 199(1) के तहत कोई व्यक्ति, जो सीधे तौर पर अपराध का शिकार नहीं है, फिर भी अग्रीव्ड पर्सन हो सकता है, अगर उसे बयान से नुकसान या अपमान महसूस हुआ हो। राहुल के बयान से उन्हें व्यक्तिगत रूप से ठेस पहुंची हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था

सोरेन जनजातीय समुदायों और दलितों को सशक्त बनाने को लेकर प्रतिबद्ध थे: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देते हुए सोमवार को कहा कि वह जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने को लेकर प्रतिबद्ध थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। मोदी ने शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे जो लोगों के प्रति अटूट समर्पण के कारण जननेता बने। वे जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। मोदी ने कहा, उनके निधन से बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।

केंद्र सरकार बंगाली विरोधी,दिल्ली पुलिस के पत्र पर भड़कीं ममता बनर्जी, अब भाजपा ने किया रिएक्ट

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दिल्ली पुलिस पर बांग्ला को कथित तौर पर "बांग्लादेशी" कहने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र पर बंगाली भाषी लोगों का अपमान और अपमान करने के लिए संविधान-विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। तृणमूल प्रमुख ने कथित तौर पर लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन द्वारा लिखा गया एक पत्र साझा किया, जो दिल्ली के बंग भवन को संबोधित था और जिसकी विषय पंक्ति थी, "बांग्लादेशी भाषा में लिखे गए दस्तावेजों का अनुवाद।" ममता का आरोप ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर एक कथित पत्र में बंगाली को बांग्लादेशी

राष्ट्रीय भाषा करार दिये जाने पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है। ममता बनर्जी ने पत्र की एक प्रति साझा करते हुए अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, देखिए, अब कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बांग्ला को बांग्लादेशी बता रही है।ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्ला न केवल उनकी मातृहै, बल्कि रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भी रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्ला ही वह है जिसमें भारत का राष्ट्रगान (टैगोर द्वारा रचित जन गण मन) और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम, दोनों लिखे गए थे। ममता बनर्जी ने कहा कि वह जिसमें करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं, वह जिसे भारत के संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी बताया जा रहा है! भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को उचित ठहराया और कहा कि पश्चिम बंगाल में बोली और लिखी जाने वाली बांग्ला और बांग्लादेश की बोली में अंतर है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का बचाव करने की कोशिश कर रही है जो उर्दू से प्रभावित बांग्ला बोलते हैं। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर "वोट बैंक की राजनीति" के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके एक्स पोस्ट को "एक बुरी तरह से रची गई राजनीतिक चाल" बताया।

विमानन सुरक्षा पर फिर उठे सवाल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का विमान गलत एयरफील्ड पर उतरा

नई दिल्ली (एजेंसी): मई में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद से विमानन सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं। इसके बाद बार-बार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि हमारी विमानन व्यवस्था में अब भी कई खामियां मौजूद हैं। ताजा उदाहरण है राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चार्टर विमान का फलौदी में गलत एयरस्ट्रिप पर उतरना। हालांकि इस घटना में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यह तथ्य कि पायलट निर्धारित वायुसेना स्टेशन की बजाय नागरिक एयरस्ट्रिप पर विमान उतार बैठे, अत्यंत चिंताजनक है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों को उड़ान से अलग कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन केवल जांच और रिपोर्ट से समस्या का समाधान नहीं होगा।

विमानन सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार है पायलटों की सतर्कता और मजबूत प्री-फ्लाइट ब्रीफिंग। फलौदी की तरह कई स्थानों पर नागरिक और सैन्य एयरस्ट्रिप्स नजदीक स्थित हैं और उनके रनवे की संरचना भी लगभग समान है। ऐसे में अगर ब्रीफिंग और समन्वय पर्याप्त न हो, तो छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। जरूरत है कि सिस्टमेटिक सुधार किए जाएं, प्री-फ्लाइट ब्रीफिंग को अधिक विस्तृत और अनिवार्य बनाया जाए, एयर ट्रैफिक कंट्रोल व पायलटों के बीच रीयल-टाइम समन्वय बेहतर हो और जहां नागरिक व सैन्य एयरस्ट्रिप नजदीक हैं, वहां विजुअल और तकनीकी भेद स्पष्ट किया जाए। देखा जाये तो विमानन सुरक्षा में विश्वास केवल तब लौटेगा जब इन खामियों को दूर करने के ठोस कदम उठाए जाएंगे। वरना हर नई घटना यात्रियों के मन में यह सवाल पैदा करेगी कि क्या अगली उड़ान सुरक्षित है। जहां तक राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ घटे घटनाक्रम की बात है तो आपको बता दें कि उनका विमान फ्रांसीसी बिजनेस जेट डसॉल्ट फाल्कन 2000 था, जो आठ से दस यात्रियों को लंबी दूरी तक ले जाने में सक्षम है। निर्धारित स्थान फलौदी वायुसेना स्टेशन था, लेकिन यह विमान फलौदी के नागरिक एयरस्ट्रिप पर उतर गया। जैसे ही पायलटों को गलती का एहसास हुआ, उन्होंने तुरंत विमान को फिर से उड़ान भरी और लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित निर्धारित वायुसेना स्टेशन पर लैंड कराया। मुख्यमंत्री यहीं उतरे और कुछ घंटों बाद इसी विमान से जयपुर के लिए रवाना हुए। उसी रात यह विमान दिल्ली लौट गया।

शिबू सोरेन के निधन के बाद कांग्रेस का बड़ा फैसला, ईसीआई के खिलाफ इन कार्यक्रमों को टालने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी): झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। आज सुबह उन्होंने 81 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन के बाद तीन दिनों के राजकीय शोक का घोषित किया गया है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के मद्देनजर कांग्रेस ने चुनाव आयोग की गंभीर गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए अपनी विरोध रैली को 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया है। पांच अगस्त को होना था कार्यक्रम कांग्रेस ने ये कार्यक्रम पहले पांच अगस्त के लिए निर्धारित किया था। हालांकि, इस दुखद घटना के बाद इस कार्यक्रम को 8 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी सांसद राहुल गांधी कल शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में

शामिल होने के लिए रांची जा रहे हैं। सुरजेवाला ने दी जानकारी बता दें कि एक प्रेस कॉनफ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कल अंतिम संस्कार है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए कल झारखंड जाएँगे। चूँकि यह कार्यक्रम कल के कार्यक्रम से टकराता और इस कार्यक्रम के राष्ट्रीय प्रभाव हैं, इसलिए कार्यक्रम अब यथावत रहेगा, लेकिन इसे 8 अगस्त 2025 तक के लिए टाल दिया गया है। इस पीसी के दौरान उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है और वह भी इससे सहमत हैं। इसलिए, डीके शिवकुमार, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों के मद्देनजर, हम सभी ने कार्यक्रम को 8 अगस्त तक के लिए टालने का फैसला किया है।

बिहार में शिक्षक बहाली में लागू होगी डोमिसाइल पॉलिसी, सीएम नीतीश कुमार का ऐलान

बिहार (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा की जिसका उद्देश्य भविष्य में शिक्षक भर्ती में राज्य के निवासियों को प्राथमिकता देना है। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। नीतीश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से, हम शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा विभाग को शिक्षक नियुक्तियों में बिहार के निवासियों को वरीयता देने के लिए संबंधित नियमों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, "यह टीआरई-4 से लागू होगा। टीआरई-4 वर्ष 2025 में और टीआरई-5 वर्ष 2026 में आयोजित किया जाएगा।" नीतीश ने यह भी पुष्टि की कि एसटीईटी परीक्षा टीआरई-5 से

पहले आयोजित की जाएगी। यह घोषणा राज्य द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत लगभग 1.86 करोड़ उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना को लागू करने के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। इससे पहले नीतीश कुमार सरकार ने शुक्रवार को सरकारी स्कूलों में कार्यरत रसोइयों, रात्रि प्रहरियों और शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर दिया। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ महीने शेष हैं। मुख्यमंत्री कुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में रसोइयों, रात्रि प्रहरियों तथा शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए हमने उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करते हुए इसे दोगुना करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत काम करने वाले रसोइयों को अब 1,650 रुपये के बजाय 3,300 रुपये प्रति माह मिलेंगे। रात्रि प्रहरियों का मानदेय दोगुना करके 10,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय दोगुना कर 16,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है तथा उनकी वार्षिक वेतन वृद्धि 200 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये कर दी गई है।

ई-विधान हो चुकी दिल्ली विधानसभा में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव पर हंगामा, बुलाने पड़े मार्शल

नई दिल्ली (एजेंसी): ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सोमवार से शुरू हुई दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही में जोरदार हंगामा हुआ। इस बीच भाजपा विधायकों ने एक ओर सेना के शौर्य पर चर्चा की तो वहीं विपक्षी दलों ने पूरे ऑपरेशन पर सवाल खड़े कर दिये। इस बीच प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी के बुराड़ी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक संजीव झा को सदन से मार्शल आउट तक करना पड़ा। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव में किये गए साहसिक कार्रवाई पर चर्चा के बीच विपक्षियों को हंगामा करता देख विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूछा कि ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष को क्या दिक्कत है, यह समझ नहीं आ रहा। इस बीच सदन में तकनीकी विशेषज्ञ ई-विधान प्रणाली के लिए विधायकों की सहायता भी करते दिखे। सेना के शौर्य पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने चर्चा से पूर्व ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सेना के जवानों को भी बधाई दी गई। मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने सदन के पटल पर बधाई प्रस्ताव रखा। वहीं, सदन में विपक्ष के हंगामे पर कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जब भी आतंकवादी मरेगा केजरीवाल के चमचे रोएंगे। इस बीच विपक्ष ने हंगामा करते हुए कहा कि सदन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी चर्चा कराएं। वहीं, जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र

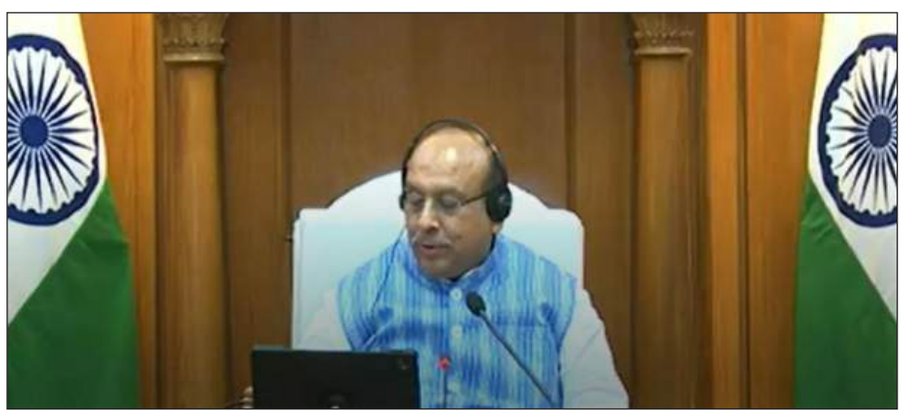

से भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि जब देश से संबंधित मुद्दे पर चर्चा हो रही है तो विपक्ष को हंगामा नहीं करना चाहिए। उधर, विपक्ष की लगातार टोकाटोकी पर मारवाह भड़क गये। उन्होंने कहा कि अगर गुंडागर्दी करोगे तो उसका जवाब गुंडागर्दी से मिलेगा। हालांकि, गुंडागर्दी वाले शब्द को विधानसभा अध्यक्ष ने कार्रवाई से बाहर निकलवाया। सेना पर सवाल उठाना देशद्रोह से कम नहीं वहीं, चर्चा को

दिल्ली विधानसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने सेना के शौर्य की बात की तो विपक्ष ने ऑपरेशन पर सवाल उठाए। प्रधानमंत्री पर टिप्पणी के कारण आप विधायक संजीव झा को मार्शल आउट..

आगे बढ़ाते हुये कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने कहा के पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव पर चर्चा हो रही है, इस दौरान सेना पर कोई सवाल उठा रहा है तो यह देशद्रोह से कम नहीं है। सूद ने कहा कि यह दशार्ता है कि अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह सेना पर सवाल उठाया था वही मानसिकता विपक्ष में आज भी जिंदा है। इसी बीच विपक्षी दल आप विधायक संजीव झा ने कहा, "हमें सेना पर कोई संशय नहीं है, हमें हमारी सेना पर गर्व है। मगर जब हमारी सेना आगे बढ़ रही थी,तो हमारे देश के मुखिया ने सेना को रोक दिया। मगर प्रधानमंत्री ने कमजोर और कायराना कदम उठा कर सेना को रोक लिया।" इस कथन पर सदन में हंगामा हो गया। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक संजीव झा को माफी मांगने के लिए कहा। अंत में मार्शल को बुलाकर संजीव को सदन की कार्यवाही से बाहर कर दिया गया। साथ ही, उनके कहे वक्तव्य को भी रिकॉर्ड से हटाने का आदेश दे दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर को पाठ के रूप में पढ़ाया जाए ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए भाजपा विधायक सूर्य प्रकाश खत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देश के पीएम ने पहले पाकिस्तान को चेतावनी दी और फिर बाद में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना को खुली छूट दी। सम्पूर्ण विपक्ष को मुखर होकर इस ऑपरेशन की तारीफ करनी चाहिए थी लेकिन ये लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ गद्दार पाकिस्तान में बैठे हैं, कुछ गद्दार इस देश में बैठे हैं, वे भारतीय सेना से सुबूत मांगते हैं।

संपादकीय

मिसाल हो कायम

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था। बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई। 1632 पन्नों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रॉनिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं। हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शिबू सोरेन :'संथाल हूल' के विस्तार की से राजनीतिक शुरूआत

सुधीर पाल

सन् 1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेजी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी–जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके।

इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का – महाजनों के खिलाफ, जमींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरूआत में उनका आंदोलन उग्र था – हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा।

जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी–लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी जमीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो जमीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है–शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज दी।

एक समय नक्सली, फिर जन नेता

शिबू सोरेन का शुरूआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी।

कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई–के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा–तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ।

यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे।

हूल बनाम हुंकार: दो युग, एक चेतना

जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970-2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी।

संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था–अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के जरिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते।

जमीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा। संथालों ने जमीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई–जंगल, जल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो गई। शिबू सोरेन ने कहा–झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गाँव में हुआ था। उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था। यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई।

यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ–एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया। उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे।

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था–एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में अपराधी लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया। इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने। केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले। उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी–झारखंड राज्य का निर्माण।

'निसार' : वैश्विक चेतना का उपग्रह

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है। 'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षों तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। 'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैर्ध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैर्ध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा। यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूर्वानुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। 'निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए 'निसार' को 'वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दशार्ता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को जिम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

वासुदेव तीर्थ स्थल पर सावन के अंतिम सोमवार को भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर किया जलाभिषेक

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- उत्तर प्रदेश के अमरोहा शहर में स्थित प्राचीन श्री वासुदेव तीर्थ स्थल पर सावन मास के अंतिम सोमवार को भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। यह पवित्र तीर्थ स्थल, जो महाभारत काल से अपनी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता के लिए जाना जाता है, इस दिन आस्था और भक्ति का अनुपम संगम बन गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने और जलाभिषेक करने के लिए यहाँ एकत्रित हुए। सावन का अंतिम सोमवार, जो भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है, इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही वासुदेव तीर्थ स्थल पर भक्तों की भीड़ जमा होने लगी थी। रविवार की रात से ही श्रद्धालु यहाँ पहुंचने शुरू हो गए थे, और सोमवार की सुबह तक मंदिर परिसर भक्तों के जयघोषों से गूंज उठा। "हर हर महादेव" और "बोलबम" के नारों ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। वासुदेव तीर्थ स्थल का इतिहास लगभग पांच हजार वर्ष पुराना है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने यहाँ तालाब में स्नान किया था और अपने हाथों से शिवलिंग की स्थापना की थी, जो आज भी मंदिर परिसर में मौजूद है। इस तीर्थ स्थल का नाम उनके नाम पर ही पड़ा। यहाँ 51 फीट ऊँची पंचमुखी हनुमान प्रतिमा, 12 ज्योतिर्लिंग मंदिर, भगवान परशुराम और शनिदेव के मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। इसके अलावा, तुलसी उद्यान और प्राचीन वट, बरगद, और कदम के वृक्ष इस स्थल की सुंदरता और पवित्रता को और बढ़ाते हैं। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए। मंदिर परिसर में भक्तों की सुविधा के लिए गंगाजल, पंचामृत, और अन्य पूजन सामग्री की व्यवस्था की गई थी। भक्तों ने शिवलिंग पर दूध, दही, घी, शहद, और गंगाजल से अभिषेक किया। कई श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, और फूल अर्पित कर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति के अध्यक्ष शिवस्वरूप टंडन ने बताया कि इस बार सावन के अंतिम सोमवार पर करीब 50,000 से अधिक भक्तों ने दर्शन किए, जो इस तीर्थ स्थल की महत्ता को दर्शाता है। सावन के इस अंतिम सोमवार को मंदिर परिसर में भव्य श्रृंगार पूजा और महाआरती का आयोजन भी किया गया। भक्तों ने भजन-कीर्तन में भाग लिया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक यह तीर्थ स्थल हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लिए आस्था का केंद्र है। यहाँ स्थित मीरा बाबा की ज्यारत भी भक्तों को आकर्षित करती है। जिला प्रशासन और मंदिर समिति ने मिलकर श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था भी की। पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित एसी हॉल और कमरों ने भक्तों को सुविधा प्रदान की। इस अवसर पर दान-पुण्य और जरूरतमंदों को भोजन व वस्त्र वितरण का कार्य भी किया गया, जो भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है। सावन का यह अंतिम सोमवार अमरोहा के वासुदेव तीर्थ स्थल पर भक्ति, आस्था, और उत्साह का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करता रहा। भक्तों का विश्वास है कि यहाँ सच्चे मन से की गई पूजा और जलाभिषेक से उनकी सभी मनोकामनाएँ पूरी होती हैं।

गजरौला में अलग-अलग सड़क हादसों में 16 कांवड़िए घायल,10 को किया रेफर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- औद्योगिक नगरी के नेशनल हाईवे 9 पर अलग-अलग सड़क हादसों में 16 कांवड़िए घायल हो गए। जिनमें से 10 कांवड़ियों की हालत गंभीर होते देख रेफर कर दिया गया। बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार व सोमवार की मध्य रात्रि के आसपास गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर अलग-अलग सड़क हादसे में 16 कावड़िए घायल हो गए, हादसे के बाद मौके पर पहुंची निजी एंबुलेंस एवं 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को नगर के समुदाय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने 10 कावड़ियों को उनकी हालत नाजुक होते देख यहां से रेफर कर दिया व बाकी को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया।घायल कांवड़ियों में मोहित, खुशी, हेमंत, नीता, परम सिंह, ज्योति, सीमा, अंकुर, संजय, रिया, कौशल, गौरव, रोहित कुमार, अंकित, भूपेंद्र, रमन कुमार है। पुलिस का कहना है कि सभी का उपचार चल रहा है।

संचालित राज्य सहायतित तिलहन बीज मिनी किट प्राप्त करने के लिए करे ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के सभी किसान को यह जानकर बहुत खुशी होगी कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य सहायतित निशुल्क तिलहन बीज मिनी किट वितरण प्रदर्शनी एवं प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत तोरिया फसल कर दो किलोग्राम मात्रा का बीज मिनीकिट निशुल्क प्राप्त करने के लिए कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन दिनांक 1 अगस्त 2025 से 15 अगस्त 2025 तक किया जाएगा। जो पूरी तरह से पारदर्शित है। ऑनलाइन आवेदन करने वाले कृषि को बीज मिनीकिट आवेदन अवधि में प्राप्त आवेदकों के मध्य लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की दिशा में ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। एक कृषक को केवल एक मिनीकिट प्राप्त हो सकेगी। चयनित कृषकों को ढडर मशीन के माध्यम से राजकीय कृषि बीज भंडारों से बीज मिनीकिट प्राप्त किया जाएगा। इस दौरान इच्छुक कृषक निशुल्क बीज मिनीकिट प्राप्त करने के लिए विभाग के पोर्टल agridarshan.up.gov.inपर अपना ऑनलाइन आवेदन करें।

धनौरा विधायक राजीव तरारा ने तिगरी गंगा धाम से जल भरकर की पैदल यात्रा

झारखंडी चाकेश्वर महादेव शिवालय में जलाभिषेक कर देश की उन्नति एवं उत्थान के लिए की प्रार्थना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- श्रावण मास के चौथे सोमवार को गजरौला के नेशनल हाईवे 9 पर जल लाने वाले कांवड़ियों का रेला लगातार जारी रहा।उसी क्रम में धनौरा विधायक राजीव तरारा ने भी अपने साथियों संग मिलकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने हेतु तिगरी गंगा धाम से जल लेकर पैदल यात्रा कर झारखंडी महादेव चाकेश्वर मंदिर पर पहुंच कर देश हित में महादेव से प्रार्थना की। बता दें कि सोमवार की सुबह धनौरा विधायक राजीव तरारा ने अपने साथियों संग मिलकर इस यात्रा को तिगरी गंगा धाम से जल भरकर प्रारंभ किया जिसको तिगरी से पैदल गजरौला में भ्रमण कराते हुए झारखंडी चाकेश्वर महादेव शिवालय में समापन कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया।इस दौरान विधायक राजीव तरारा ने भगवान शिव से देश की उन्नति और उत्थान के लिए प्रार्थना की साथ ही उन्होंने योगी और मोदी जी के नेतृत्व में ऐसे ही आगे बढ़ता रहे ऐसी भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की। इसके अलावा इस यात्रा में डीजे शामिल रहे जिनकी धुन पर यात्रा में शामिल कावड़ियों ने अपने हाथों में तिरंगा झंडा लिए भगवान शिव के भजनों पर जमकर डांस किया उधर यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया।

नाव और ट्रैक्टर में बैठकर दारानगर ग्राम पहुंच डीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जनपद की बाढ़ पूर्व तैयारियों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने हेतु तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम चकनवाला मुस्तकम और दारानगर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी नाव और ट्रैक्टर में बैठकर दारानगर गांव तक पहुंची और जमीनी हकीकत को परखते हुए ग्रामीणों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की और तटबंधों की सुदृढ़ता, जलनिकासी व्यवस्था, राहत शिविरों की संभावित व्यवस्था, नावों की उपलब्धता, मेडिकल टीम, आवश्यक दवाओं एवं एंटी वेनम की उपलब्धता, पशुपालन व्यवस्था एवं खाद्य सामग्री के भंडारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता कर उनसे समस्याओ एवं जिला प्रशासन से अपेक्षित सहयोग की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी तैयारियों को गंभीरता से लें तथा आपसी समन्वय से बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सशक्त कार्ययोजना तैयार कर धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब कोई लापरवाही नहीं चलेगी। राजस्व, सिंचाई, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें 24 घंटे निगरानी में रहें। तटबंधों की नियमित पेट्रोलिंग की जाए और बाढ़ राहत सामग्री को पहले से चिन्हित स्थानों पर स्टॉक कर दिया जाए। नाव, वाहन और मल्लाहों की सूची अद्यतन कर तैयार रखी जाए, ताकि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया दी जा सके। स्वास्थ्य विभाग संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल किट, आवश्यक दवाइयों, एंटी वेनम, एंबुलेंस व टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करें। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, चारे की व्यवस्था एवं बचाव हेतु पशु राहत केंद्रों की तैयारी पूर्ण करें। आपूर्ति विभाग राहत शिविरों हेतु पर्याप्त राशन सामग्री एवं जरूरी आवश्यकताओं की पूर्व व्यवस्था करें। पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग बाढ़ की स्थिति में समय से सूचना प्रसारण, जनता को सुरक्षित निकालने, राहत एवं पुनर्वास की कार्य योजना को सशक्त बनाएं। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी सहित ग्राम प्रधान व लेखपाल व ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे।

द लायस डिस्काउंट हब कैंटीन का पूर्व विधायक ने फीता काटकर शुभारंभ किया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- औद्योगिक नगरी गजरौला में द लायस डिस्काउंट हब कैंटीन का उद्घाटन सोमवार को गजरौला नगर पालिका अध्यक्ष पति हरपाल सिंह पूर्व विधायक द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। शुभारंभ करने से पूर्व कैंटीन में हवन पूजन का आयोजन कराया गया। बता दें कि कैंटीन संभवतः स्थानीय निवासियों को सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पाद प्रदान करेगी। इस कैंटीन में 20% से लेकर 90% तक समान पर भारी छुट दी जायगी द लायस डिस्काउंट हब कैंटीन के डायरेक्टर संजय पूनिया, ने बताया कि हमारी कैंटीन में 10% से लेकर 90% तक की छूट दी जाएगी उन्होंने कहा कि हमारी कैंटीन की तरफ से एक कार्ड बनाया जाएगा जिसकी वैधता लाइफटाइम रहेगी ' द लाइंस डिस्काउंट हब कैंटीन पर आए 50% पर सामान ले जाएं, खाद्य समान, राशन जैसे- चाय,चीनी,दाले, बिस्किट, नमकीन,कोल्ड ड्रिंक, तेल, देशी घी, साबुन,शैंपू,सर्फ, कपड़ा जूता, ब्यूटी पार्लर से सभी संबंधित सामन और प्लास्टिक का हर आइटम मे 50% की छूट दी जाएगी ।हर प्रोडक्ट पर महीने की 25 तारीख को भारी छूट दी जाएगी ' पहले आए पहले पाए और सस्ते दामों पर प्रोडक्ट ले जाएं'इस मौके पर नगर पालिका परिषद पति हरपाल सिंह पूर्व विधायक, धर्मपाल सिंह गुर्जर, सुंदर सिंह गुर्जर, मंगल सिंह गुर्जर,डॉ राजीव शुक्ला एडवोकेट, डॉ रवींद्र शुक्ला एडवोकेट, विपिन कुमार ,प पीयूष कुमार पूजा गुप्ता, राजू यादव, कमल अग्रवाल, विनोद गर्ग, गुरूवचन प्रधान, आदि लोग मौजूद रहे '

हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन के लिए जिलाधिकारी ने की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन को लेकर कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी "हर घर तिरंगा" अभियान 2025 को सफल तथा भव्य आयोजन हेतु निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करते हुये स्वतन्त्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। विगत वर्षों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में समस्त आवासित घरों सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयों एवं समस्त शिक्षण संस्थानो पर लाखों तिरंगा फहराते हुये कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इस वर्ष भी पुनः दिनांक 02 अगस्त 2025 से दिनांक 15 अगस्त 2025 तक अवधि के मध्य "हर घर तिरंगा" अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अतः जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से प्रचुर संख्या में झण्डो की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित विभागवार लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि वह उनके विभाग हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुसार झंडो की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुये लक्षित मात्रा में झण्डे जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में दिनांक 08 अगस्त 2025 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की अवधि समयबद्ध है इसलिये समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाये। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की सभी स्कूलों में 2500 से 3000 तिरंगा राखियां बनाने के लिए स्कूलवार लक्ष्य निर्धारित कर दें। और इसी के साथ ज्यादा से ज्यादा आभार पत्र लिखवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करें। सभी स्कूलों में अच्छा कार्य करने वाले बच्चों और टीचर को 15 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के समस्त विद्यालयों की दीवारों एवं बोर्डो की तिरंगा सजावट तथा सेल्फी बूथ स्थापित कराये जाने की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें तथा फोटो अभियान के वेबपोर्टल https://harghartiranga.com पर अपलोड करायेंगे। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, महिला कल्याण एवं बाल विकास, कृषि विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन तथा नगर पालिका द्वारा संयुक्त रूप से तिरंगा महोत्सव/मेला/भव्य म्यूजिकल कन्सर्ट का आयोजन किया जायेगा। जिसमें स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल भी लगवाये जायेंगे। उक्त गतिविधि में मा0 सांसद/मा0 विधायक एवं अन्य मा0 जनप्रतिनिधियों को भी आमन्त्रित किया जाये। समस्त विभागाध्यक्षों द्वारा अपने जनपद स्तरीय/विकास खण्ड स्तरीय कार्यालय परिसर में तिरंगा सेल्फी बूथ तैयार कराकर स्थापित कराये जायें तथा सेल्फी फोटो अभियान के वेबपोर्टल https://harghartiranga. com पर अपलोड करायेंगे। जनपद स्तर पर तिरंगा रैली का आयोजन किया जाये जिसमें देशभक्ति से ओत-प्रोत दृश्यों को प्रदर्शित करती हुई झांकियां सम्मिलित होगी। हर घर तिरंगा अभियान 15 अगस्त तक तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण दो से आठ अगस्त, दूसरा चरण नौ से 12 अगस्त व तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। पहले चरण में स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि में प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। स्कूल, कालेज व सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सैनिकों और पुलिसकर्मियों को 'आभार पत्र' लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजी जाएंगी। दूसरे चरण में नौ से 12 अगस्त के बीच वृहद आयोजन होंगे। इस दौरान 'तिरंगा महोत्सव' के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। इसमें वृहद 'तिरंगा मेला' और 'भव्य तिरंगा म्यूजिकल कन्सर्ट' का आयोजन होगा। प्रदेश स्तरीय 'तिरंगा महोत्सव' का आयोजन किसी प्रमुख स्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ होगा।व्यापक जनभागीदारी के साथ, प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य 'तिरंगा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा बाइक रैली और/या तिरंगा साइकिल रैली' का आयोजन किया जाएगा। बृहद तिरंगे कपड़े के साथ तिरंगा रैलियों यात्राओं का आयोजन किया जाना। ये आयोजन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों ब्लॉकों और पंचायतों में आयोजित किए जाएँगे जिनमें स्कूली बच्चों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। तिरंगा और उससे संबंधित वस्तुओं की बिक्री को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय बाजारों में सौंदर्यपरक तिरंगा प्रकाश और सजावट किया जाएगा। जनपद में स्वयं सहायता समूहों, पी०डी०एस० दुकानों, खादी भंडारों और स्थानीय बाजार के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जाएगा। अभियान के तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त 2025 के मध्य सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों, बांधो, पुलों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकगण को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट www.harghartiranga.com पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश में गिरी मकान की छत, राजस्व विभाग को दी गई जानकारी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के थाना आदमपुर के अंतर्गत दड़ियाल गांव में रविवार के मध्य रात्रि के समय तेज बारिश के दौरान अचानक गांव निवासी चोखे के मकान की छत गिर गई। मकान के अंदर बैठे परिवार के लोग बाल बाल बचे। छत गिरने की तेज आवाज होने पर पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। वहीं दूसरी तरफ पड़ोस के ही रहने वाले अशोक कुमार पचौरी के मकान की दीवार गिर गई। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय परिवार के लोग घर के अंदर बैठे हुए थे। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बारिश में मकान की छत व दीवार गिरने की जानकारी पीड़ित परिवार के द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों को दी गई है।

लगातार हो रही बारिश में ढह गया गरीब का आशियाना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण क्षेत्र निवासी एक युवक का मकान भरभरा कर गिर गया। मकान गिरने से युवक का परिवार बाल बाल बच गया लेकिन एक बच्चे को कुछ मामूली चोटें लग गई। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव फतेहपुर का है जहां पर सोमवार को क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण गांव निवासी राजू का मकान भरभराकर नीचे गिर गया जिससे उसका लाखों रुपए का नुकसान हो गया।इस हादसे समय राजू का परिवार घर पर ही था जो हादसे के वक्त उसका शिकार होने से बाल बाल बच गया लेकिन फिर भी परिवार के एक बच्चे को कुछ घोंटें आ गई।इसके अलावा हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

बरसात में मजदूर का आशियाना ढहा, परिवार बेघर

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- मजदूर ने अपनी मेहनत से जैसे तैसे अपना घर बनाया था। रविवार की रात वो एक ही पल में भरभरा कर गिर गया। हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव निरयावली भूड़ निवासी मजदूर नन्हें पाल अपनी पत्नी पिंकी, बेटी तानिया और दो बेटों विनिकेत व छोटू के साथ अपने कच्चे मकान के बरामदे में सो रहे थे। तभी अचानक एक जोरदार धमाके के साथ उनका आशियाना भरभरा कर ढह गया। चीख-पुकार मच गई। पूरा परिवार मलबे के नीचे दब गया। पड़ोसियों ने चीखें सुनकर रात के अंधेरे में ही बचाव का काम शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद पूरे परिवार को बाहर निकाला गया। इस हादसे में पति पत्नी और बच्चों को गंभीर चोटें आईं। सबसे ज्यादा चोटें पिंकी को लगी हैं, जिनका इलाज चल रहा है। अब नन्हें पाल का परिवार बेघर है। उनके पास अब सिर छिपाने की जगह भी नहीं है। बरसात की वजह से घर की मरम्मत भी संभव नहीं है। फिलहाल नन्हें पाल परिवार सहित अपने बड़े भाई टीकाराम के घर में आसरा लिए हुए हैं। प्रशासन ने हरसंभव मदद का आश्वासन तो दिया है, लेकिन एक मजदूर के लिए यह दर्द और तकलीफ शब्दों में बयां करना मुश्किल है। बारिश और गरीबी की दोहरी मार झेलता यह परिवार बस उम्मीद की एक किरण की तलाश में है।

परचून की दुकान से पांच हजार की लूट

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- परचून की दुकान पर सिगरेट खरीदने के बहाने आए बदमाश गल्ले में रखे पांच हजार रुपए लेकर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। सैद नगली थाना क्षेत्र के गांव पुरसल निवासी सोनू गांव से पांच सौ मीटर दूर ढवारसी मार्ग पर परचून तथा खल चोकर की दुकान चलाते हैं। सोमवार को सोनू किसी काम से बाहर गए हुए थे। शाम करीब पांच बजे दुकान पर उनका बेटा शिखर बैठा था। जबकि पत्नी घर में कुछ काम कर रही थी। अपाचे बाइक पर सवार दो युवक आए, जिनमें से एक उतरकर दुकान पर गया और सिगरेट की डिब्बी खरीदी। युवक ने पांच सौ रुपए का नोट दिया। शिखर ने अपनी मां को बुलाया। इसी बीच युवक ने गल्ला खोलकर उसमें रखे पांच हजार रुपए निकाल लिए। मां बेटे ने रोकने की कोशिश की तो वह उन्हें धक्का देकर बाहर बाइक लेकर खड़े अपने साथी के साथ फरार हो गया। जब पूरे मामले में थाना प्रभारी सैदनंगली से फोन पर वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। लूट जैसा मामला नहीं है। सिगरेट के पैसों को लेकर कुछ कहा सुनी हुई थी। मामले में जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में मेला कमेटी के साथ संयुक्त वार्षिक सभा का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में 25 अगस्त से प्रारम्भ होने वाले तथा 14 सितम्बर तक चलने वाले मेला गणेश चौथ चंदौसी 2025 के आयोजन की तैयारियों के संबंध में मेला कमेटी के साथ संयुक्त वार्षिक सभा का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी चंदौसी द्वारा मेला से संबंधित बिन्दुओं के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया। मेला टेण्डर प्रक्रिया तथा मेला विद्युत कनेक्शन को लेकर चर्चा की गई ।विद्युत विभाग एवं टेलीफोन विभाग को विद्युत पोल एवं टेलीफोन पोल पर विद्युत प्रभावित न हो तथा विद्युत तारों में ही संचालित रहे उसको लेकर देखने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। जल निगम शहरी को मेला स्थल पर हैण्ड पम्पों की मरम्मत कराने एवं आवश्यकता पर हैण्डपम्प लगाने को लेकर भी निर्देशित किया। रोडवेज विभाग से मेला के समय चंदौसी में अस्थायी बस स्टाप तैयार कराने के लिए निर्देश दिए एवं रोडवेज बसों की पर्याप्त व्यवस्था रहे इसको लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने मेला कमेटी के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि लोगों को गणेश मूर्ति विसर्जन के अन्तर्गत मिट्टी या गोबर से तैयार मूर्ति ही विसर्जित करने के लिए जागरूक करें। अग्निशमन विभाग को मेला स्थल के पास छोटे अग्निशामक वाहन प्रयोग करने के भी निर्देश दिए। पुलिस एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 27 अगस्त को होने वाली रथयात्रा के दिवस पार्किंग की उचित व्यवस्था को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला स्थल प्लास्टिक मुक्त रहे तथा मेला में प्लास्टिक की बोतल प्रयोग में न लायीं जाएं इसको भी सुनिश्चित किया जाए तथा पेयजल की उचित व्यवस्था रहे वह भी निशुल्क हो। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला में दुकानों के लिए जो स्थान निर्धारित किया गया है उससे आगे दुकानें न बढें यह भी सुनिश्चित किया जाए। दुकानों के पास डस्टबिन लगाये जाएं तथा साफ सफाई की उचित व्यवस्था रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत विभाग का एक जूनियर इंजीनियर प्रतिदिन मेला स्थल का निरीक्षण करे ताकि विद्युत सुचारू रूप से संचालित रहे कोई बाधा न आए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मेले के समय मेला स्थल पर स्वास्थ्य विभाग का शिविर लगाना सुनिश्चित करें एवं शिविर में दवाई की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा आयुर्वेद तथा योग एवं होम्योपैथी का भी व्यवस्था रहे। मेला स्थल पर सीसीटीवी कैमरे को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पर मेला स्थल से संबंधित साइन एज लगाए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने मेला कमेटी को दुकानों एवं मेला स्थल का ले आउट उपलब्ध कराने के लिए कहा तथा मेला स्थल के बाहर कोई दुकान न लगे इसको लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया। यातायात बाधित न हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने मेला कमेटी के सदस्यों को कहा कि मेला आयोजन से संबंधित आवेदन शीघ्र कराएं ,ले आउट भी शीघ्र उपलब्ध कराएं तथा सफाई कर्मचारी अपनी निर्धारित ड्रेस में रहें। वॉलिंटियर का ड्रेस कोड भी समय रहते तय कर लिया जाए। जीएसटी को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेला कमेटी के सदस्यों से भी सुझाव प्राप्त किये गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश श्रीवास्तव तथा उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी अनुज चौधरी तथा तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी धर्मराज एवं मेला कमेटी के सदस्य ललित किशोर, विनय अग्रवाल, डॉ. राजीव,मनोज गुप्ता, रविन्द्र कुमार,सुधीर कुमार, प्रजीत लालू,नीरज अग्रवाल, फहीमुद्दीन अरविंद कुमार एवं अन्य सदस्य तथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दमगड़ा में छप्पर के घर की मिट्टी की दीवार गिरी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- विकास खंड गंगेश्वरी के गांव दमगड़ा में एक बड़ा हादसा टल गया। गांव निवासी मजदूर नंदकिशोर अपनी पत्नी के निधन के बाद अपने तीन छोटे बच्चों के साथ छप्पर के घर में रहता है।उसके घर की मिट्टी की दीवार अचानक गिर गई। यह घटना सोमवार की सुबह करीब 9 बजे हुई। गनीमत रही कि दीवार घर के बाहर की तरफ गिरी। जिससे घर के अंदर बैठा परिवार बाल बाल बच गया। नंदकिशोर मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसने बताया कि अगर दीवार अंदर की ओर गिरती तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इस घटना के बाद, पीड़ित परिवार ने मदद के लिए लेखपाल को सूचना दी। लेकिन, आरोप है कि लेखपाल ने मदद का भरोसा दिलाने के बजाय यह कहकर फोन काट दिया कि कुछ नहीं होगा। इस उपेक्षा से परिवार को गहरा दुख हुआ है। नंदकिशोर के दो भाई प्रमोद और सुरेंद्र भी अपने परिवार के साथ ऐसे ही छप्पर के घरों में रहते हैं, जिनकी स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है।

थाना बहजोई पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना बहजोई पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार किया है । मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल निर्देशन में जनपद संभल कानून व्यवस्था एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए गए अभियान में निम्नलिखित कार्यवाही की गई 3 अगस्त को थाना बहजोई पुलिस प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार व उप निरीक्षक आकाश कुमार द्वारा एक वारण्टी अभियुक्त जौहरी पुत्र महानन्दन निवासी ग्राम फरीदपुर खुशहाल थाना बहजोई जनपद सम्भल को अभियुक्त के घर से गिरफ्तार किया है गिरफ्तार अभियुक्त पर पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई।

दूध के टैंकर से ड्राइवरों से साठ गांठ कर दूध चोरी करने वाला आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

संभल/(सब का सपना):- पुलिस ने अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त धर्मेंद्र कुमार, पुत्र रामेंद्र सिंह, मूल निवासी उस्मानपुर, जसराना, फिरोजाबाद और वर्तमान में घरोली डेयरी कॉलोनी, मयूर विहार फेज-3, गाजियाबाद, पूर्वी दिल्ली का रहने वाला है। उसे जीनत धर्मकांटा के पास से गिरफ्तार किया गया है धर्मेंद्र थाना नखासा पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के तहत वांछित था। बताया जाता है कि ड्राइवरों की मिलीभगत से प्रसिद्ध दूध कंपनियों के टैंकरों से दूध की अनधिकृत निकासी कर उसे बेचकर मोटा धन कमाया जा रहा था जिससे दूध कंपनियों को लगातार नुकसान दिया जा रहा था। आरोपी को गिरफ्तार करने में नखासा पुलिस की टीम में प्रभारी उपनिरीक्षक रजनीश कुमार, व उप निरीक्षक सदाकत अली और कांस्टेवल मोहम्मद अफसरुन शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। संभल पुलिस का यह अभियान अपराधों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया की जनपद संभल में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रहेंगी।

आठ घंटों की बारिश ने दी उमस से राहत, देखिए कैसा है आज संभल के मौसम का हाल

संभल। रविवार की देर रात से जिले में मौसम ने करवट ली और रिमझिम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। करीब आठ घंटे से लगातार हो रही इस बारिश ने शहर और देहात दोनों क्षेत्रों के मौसम में ठंडक घोल दी। सोमवार की सुबह तक भी बारिश का दौर जारी है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। गर्मी से मिली राहत, तापमान में गिरावट बीते कुछ दिनों से जिले में उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा था। तेज धूप और उमस के चलते दिनभर लोग पसीने से तरबतर रहते थे। मगर रविवार की रात करीब एक बजे शुरू हुई झमाझम बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस से घटकर 29.9 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। बारिश के चलते जहां मौसम सुहावना हो गया, वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली। किसानों के लिए अच्छी है बारिश खेतों में खड़ी धान और अन्य खरीफ की फसलों को इस बारिश से काफी फायदा होगा। खासतौर पर जिन इलाकों में नमी की कमी थी, वहां यह बारिश वरदान साबित हो सकती है। हालांकि, लगातार हो रही बारिश से कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं खेत खलिहानों में भी पानी भर गया।

05 से 20 अगस्त तक चलेगा विशेष निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने निराश्रित गोवंश के सडकों के आसपास व अन्य स्थानों पर विचरण करने के दृष्टिगत समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी और समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यक्षेत्र अन्तर्गत दिनांक 05.08.2025 से 20.08.2025 तक विशेष निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान संचालित करते हुए ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र से निराश्रित गोवंश का संरक्षण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी। इसके साथ जिलाधिकारी द्वारा अभियान की समीक्षा साप्ताहिक रूप से स्वयं की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में सभागार कक्ष में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय द्वारा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम तथा शिक्षा विभाग के डायट से प्राचार्य जितेन्द्र मलिक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रीतु तोमर सहित समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एवं विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में चर्चा के बिंदु निम्नवत थे। ऑपरेशन कायाकल्प, गुणवत्ता शिक्षा, बालिका शिक्षा, मध्याह्न भोजन, यू डायस प्लस, पी एम विद्यालय एवं आर टी ई के अन्तर्गत अलाभित एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों का नवीन सत्र में नामांकन प्रक्रिया दिव्यांग बच्चों के पठन -पाठन प्रक्रिया जिसमें ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा 19 पैरामीटर के गैप को जल्द से जल्द पूरा करने हेतु निर्देश दिए। गुणवत्ता शिक्षा में शिक्षक उपस्थिति के अतिरिक्त समस्त पंजिकाओं में डिजिटल कार्य किया जाए। इस हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी रणनीति बनाकर कार्य कराएं। समस्त विद्यालयों में शिक्षा गुणवत्ता का स्तर उच्च हो छात्र उपस्थिति कम पायी गयी जिसमें प्रगति हेतु निर्देश दिये। ए0आर पी चयन प्रक्रिया जल्द पूर्ण की जाए। निःशुल्क पुस्तक विद्यालयों में समय से पहुंचाई जाएं। जिलाधिकारी हापुड़ के द्वारा दिव्यांग बच्चों को मिलने वाली योजनाओं एवं उनकी शिक्षण व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करते सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इन्हीं समस्त निदेशों के साथ जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का समापन किया गया।

कूबी में बारिश से गिरा तीन मंजिला मकान, हादसे में एक युवक की मौत

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश अब लोगों के लिए आफत बन गई है। थाना राजपुर क्षेत्र के गांव कूबी में सोमवार सुबह 4:00 बजे एक बड़ा हादसा हुआ है। लगातार बारिश होने के कारण तीन मंजिला मकान मकान गिर गया। इस दुर्घटना में मकान स्वामी 47 वर्षीय किसान सुभाष पुत्र नारायण की मौत हो गई। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य पास के मकान में सो रहे थे। मकान गिरने से हुई आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया और मलवे में से परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला। हादसे में परिवार का कोई अन्य सदस्य घायल नहीं हुआ है क्योंकि बाकी सदस्य पास के मकान में सो रहे थे। इस हादसे में घर में बंधे भेस के बछड़े की भी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाकर घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। अधिकारियों के अनुसार लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की नींव कमजोर हो गई थी। प्रशासन ने क्षेत्र के अन्य पुराने मकान के निवासियों को भी सतर्क रहने की सलाह दी है।

पीएम मोदी की भतीजी से लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री तक बने शिकार, दिल्ली के वीआईपी इलाकों में पहले कब-कब हुई लूट?

दिल्ली में वीआईपी इलाकों में अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। चाणक्यपुरी में कांग्रेस सांसद आर. सुधा से सोने की चेन छीनने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली वैसे तो देश की राजधानी है, लेकिन यहां वीआईपी लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। पिछले 7-8 साल में वीआईपी इलाकों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे सवाल तो हर बार उठता है लेकिन, कुछ हो नहीं पाता है। आज (सोमवार) को फिर से एक सनसनीखेज घटना से सिस्टम को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। आइए आपको हर घटना के बारे में बताएंगे। दिल्ली के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले चाणक्यपुरी इलाके में सोमवार सुबह चौंकाने वाली वारदात सामने आई। लुटियंस जोन में तमिलनाडु हाउस व पोलैंड दूतावास के पास स्कूटी सवार बदमाश ने कांग्रेस की महिला सांसद आर सुधा के गले से मोटी सोने की चेन झपट ली। घटना के समय सांसद आर सुधा, राज्यसभा की एक महिला सदस्य के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। वहीं, घटना को लेकर आहत सांसद ने तुरंत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर चेन छीनने व चोट लगने की शिकायत की। जिसके बाद गृह मंत्रालय ने पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह से रिपोर्ट मांगी है। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर झपटमार की तलाश शुरू कर दी है। हाई प्रोफाइल मामला होने के कारण पुलिस आयुक्त के निर्देश पर स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच समेत पूरी दिल्ली पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल व मुखबिरों से बदमाश के बारे में पता लगा उसे दबोचने में जुट गई है। गृह मंत्री को लिखे पत्र में आर सुधा ने कहा है कि वह मयिलादुथुराई लोकसभा क्षेत्र से कंग्रेस की सांसद हैं और नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और संसदीय समिति की बैठकों व अन्य संवैधानिक कर्तव्यों में भाग लेती रही हैं। उन जैसे कुछ सांसदों के लिए नई दिल्ली में अधिकारिक आवास अब तक तैयार नहीं हुआ है। इसलिए वह एक साल से तमिलनाडु हाउस के कमरा नंबर 301 में रह रही हैं। उनकी आदत है कि उन्हें जब भी सुबह में समय मिलता है वह टहलने चली जाती हैं। वहीं, सोमवार सुबह 6.20 बजे वह राज्यसभा की एक अन्य महिला सदस्य रजती के साथ तमिलनाडु हाउस के बाहर टहलने निकली थीं। जब वह पोलैंड दूतावास के गेट नंबर तीन व चार के पास थीं, तभी एक बदमाश जिसने हेलमेट पहन हुआ था, स्कूटी से विपरीत दिशा से उनके पास आया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गया। हेलमेट पहने होने के कारण उसका चेहरा पूरी तरह ढका हुआ था। बताया कि विपरीत दिशा से धीमी रफ्तार में आने के कारण उन्हें बदमाश पर शक नहीं हुआ। तेजी से चेन खींचने पर गर्दन पर चोट लग गई और उनके कपड़े फट गए। वह जमीन पर गिरने से बच गईं। बदमाश के भागने के बाद दोनों सांसदों ने मदद के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद दिल्ली पुलिस की एक मोबाइल गश्ती गाड़ी दिखाई देने पर उन्होंने उनसे शिकायत की। इस पर पुलिसकर्मी ने उन्हें थाने जाकर लिखित में शिकायत देने की सलाह दी। पत्र में सांसद ने कहा कि चाणक्यपुरी जैसे उच्च सुरक्षा क्षेत्र में जहां दूतावास और अन्य संरक्षित संस्थान हैं। पास में संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, पीएम आवास भी है

क्लस्टर/समूह में परियोजना स्वरोजगार ईकाई स्थापित करने हेतु करें आवेदन-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने बताया कि केन्द्र द्वारा सहायतित एवं महत्वकाँक्षी योजना पी०एम०-अजय के घटक ग्रान्ट-इन-एड योजनान्तर्गत ग्रामीण/शहरी क्षेत्र के अनुसूचित जाति के ऐसे व्यक्ति जो क्लस्टर/समूह के रूप में स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाहते है ऐसे पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उक्त योजनान्तर्गत परियोजना लागत का अधिकतम् 50 प्रतिशत अथवा रु० 50,000/- प्रति व्यक्ति अनुदान एवं निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रारम्भिक स्तर पर राज्य द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट्स बुटीक व्यवसाय आधारित क्लस्टर, ब्यूटीपार्लर व्यवसाय आधारित क्लस्टर, क्लस्टर आधारित सोलर पैनल इन्स्टलेशन टेक्नीशियन, लाजिस्टिक वाहन चालक क्लस्टर आधारित प्रोजेक्ट, कीआस्क /किराना दुकान/जनरल स्टोर क्लस्टर बेस्ड समूह आधारित प्रोजेक्ट, सर्विस क्लस्टर आधारित फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर, आटो रिक्शा/ई-रिक्शा चालक सर्विस क्लस्टर बेस्ड प्रोजेक्ट, समूह आधारित मुर्गी पालन व्यवसाय, समूह आधारित डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्टिंग व्यवसाय, समूह आधारित बकरी पालन व्यवसाय, क्लस्टर आधारित समूह में निर्माण कार्य करने हेतु मल्टी-स्किल्ड रिसोर्स बनाने हेतु, महिला गृह उद्योग/स्वतः रोजगार आधारित क्लस्टर बेस्ड समूह आधारित प्रोजेक्ट, 02व्हीलर/03 व्हीलर मैकेनिक सर्विस का क्लस्टर बेस्ड समूह आधारित प्रोजेक्ट, क्लस्टर आधारित आई०टी० सपोर्ट/हार्डवेयर का कार्य करने हेतु, क्लस्टर आधारित माडुलर फर्नीचर/बढई का कार्य करने हेतु, क्लस्टर आधारित जनसुविधा केन्द्र का कार्य करने हेतु आवेदन कर सकतें हैं। आवेदन करने हेतु विभाग की वेबसाइट http://upscfdc.in एवं http://grant-in-aid-upsfdc-in पर आनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए श्री गौरव श्रीवास्तव, सहायक प्रबन्धक, कक्ष संख्या-04 विकास भवन, जनपद अमेठी मो0नं0-9559742648 से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

एनसीआर में सावन के अंतिम सोमवार पर भक्ति की धारा, तस्वीरों में देखें महादेव के लिए आस्था

नई दिल्ली। आज यानी 4 अगस्त को सावन का अंतिम और चौथा सोमवार है। इसी के साथ सावन का पावन महीना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ ही श्रावण मास का समापन होगा और भाद्रपद मास का आरंभ हो जाएगा। ऐसे में सावन के पांचवें और अंतिम सोमवार को दिल्ली एनसीआर में स्थित विभिन्न शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। चारों ओर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ती दिखी। शिवलिंग पर जल चढ़ाकर सभी ने अपने आराध्य भगवान शिव से सुख एवं समृद्धि की कामना की। इसी पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सावन के अंतिम सोमवार को अशोक विहार के वैद्यनाथ धाम महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान शंकर की आराधना की। चौथा व अंतिम सावन सोमवार 4 अगस्त 2025 यानी आज है। पूजा का ब्रह्म मुहूर्त आज सुबह 4:20 मिनट से 5 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। इस दिन स्वार्थ सिद्धि योग योग, ब्रह्म योग और इंद्र योग का संयोग है, जो इसे अत्यंत शुभ बनाता है। इन सभी योगों में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जा सकता है। ऐसे में भगवान शिव के पंचाक्षर मंत्र का 108 बार जाप करने से चित्त शांत होता है और आराध्य शिव भी प्रसन्न होते हैं।

चलती बस में ड्राइवर को पड़ा मिर्गी का दौरा, कई गाड़ियों को मारी टक्कर; एक की मौत

पूर्वी दिल्ली। लक्ष्मी नगर में विकास मार्ग पर सोमवार सुबह सड़क हादसा हो गया। यहां देवी बस ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में सड़क किनारे ऑटो खड़ा करके सवारी का इंतजार कर रहे ड्राइवर की मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, देवी बस विकास मार्ग से झील खुरंजा जा रही थी। पुलिस को पता चला है कि बस चालक को मिर्गी अटैक आया था, जिस वजह से यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान शहीद नगर निवासी और ऑटो चालक मोहम्मद हिम के रूप में हुई है। लक्ष्मी नगर विकास मार्ग पर देवी बस की टक्कर से जिसमें ऑटो और कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बस चालक को अस्पताल में भर्ती करवाया है। आठ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। जो कारें क्षतिग्रस्त हुई हैं वह विकास मार्ग पर सड़क किनारे फ्री समानांतर पार्किंग में खड़ी हुई थी।

शिबू सोरेन के निधन से दिल्ली में छाया शोक, अस्पताल पहुंचे संजय सिंह; सीएम रेखा गुप्ता और केजरीवाल ने जताया दुख

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शिबू सोरेन ने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। वहीं, उनके निधन की सूचना पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह अस्पताल पहुंचे हैं। उधर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट डालते हुए शिबू सोरेन के निधन पर दुख जताया है। वहीं दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने (एक्स) अकाउंट पर पोस्ट डाली है। उन्होंने अपनी में लिखा कि शिबू सोरेन के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक है। अरविंद केजरीवाल ने आगे लिखा कि दिशोम गुरुजी, शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड और आदिवासी समाज की आत्मा थे।

पत्नी की हत्या का आरोपी 21 साल बाद क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा ! 2005 में भगोड़ा हुआ था घोषित

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी में पत्नी की हत्या करने के मामले में 21 साल से फरार आरोपित वीरपाल उर्फ मैजू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। 2005 में कोर्ट द्वारा उसे भगोड़ा घोषित करने पर वीरपाल, लखनऊ में विजय उर्फ रामदयाल नाम से पहचान बदल कर रह रहा था। पिछले दो दशक से वह गिरफ्तारी से बच रहा था। डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक वीरपाल, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले का रहने वाला है। 22 सितंबर 2004 को जहांगीरपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक किरायेदार ने अपनी पत्नी और बच्चे को गंभीर रूप से घायल करने के बाद कमरा खाली कर दिया है। जहांगीरपुरी पहुंचने पर महिला खून से लथपथ मिली। महिला और घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटनास्थल पर हिंसक हमले के निशान मिले। पीड़िता का मुंह साड़ी से बंधा हुआ था, टूटी हुई चूड़ियां, खून से सनी एक ईंट और शरीर के पास एक टूटा हुआ दांत मिला था। समय पर चिकित्सा सहायता के कारण, बच्चा बच गया और उसने हमलावरों की पहचान अपने पिता वीरपाल और चाचा सुरेश के रूप में करते हुए महत्वपूर्ण बयान दिया। जांच से पता चला कि महिला, वीरपाल की दूसरी पत्नी है। पुलिस ने जांच के बाद सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसपर मुकदमा चलाया गया और 26 सितंबर 2007 को उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई (वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद है)। वीरपाल भागने में सफल रहा। वह अब तक फरार था। फरार अपराधी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच को जिम्मेदारी सौंपी गई। इंस्पेक्टर विवेक मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम को जांच से पता चला कि आरोपित वीरपाल अपनी पहचान बदलकर विजय नाम रख लिया है और फरुखाबाद में अपनी पैतृक संपत्ति बेच दी। पकड़े जाने से बचने के लिए उसने अपने गांव से सारे रिश्ते तोड़ लिए थे। सटीक खुफिया जानकारी मिलने के बाद उत्तर प्रदेश के लखनऊ में उसके ठिकाने पर छापा मार दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने अपराध में अपनी भूमिका कबूल कर ली। वह लखनऊ में दिहाड़ी पर काम करता था। फरार रहने के दौरान उसने तीसरी शादी कर ली और उसकी वर्तमान पत्नी से तीन बेटियां हैं

अमेठी में रबी सीजन के लिए तोरिया बीज मिनीकिट निःशुल्क, 15 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- कृषि विभाग द्वारा राज्य सहायतित तिलहन मिनीकिट प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत रबी सीजन 2025-26 में तिलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु किसानों को निःशुल्क तोरिया बीज मिनीकिट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस संबंध में उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च उत्पादन क्षमता वाले प्रमाणित/आधारीय बीज किसानों को राजकीय कृषि बीज भण्डारों से वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत 2 किलोग्राम तोरिया बीज का पैकेट किसानों को निःशुल्क दिया जाएगा। इसके लिए केवल कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत किसान ही पात्र होंगे। पात्र किसानों को बीज वितरण ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से ढडर मशीन के जरिए किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन की तिथि 01 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक निर्धारित की गई है। किसान https://agridarshan.gov.in वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उप कृषि निदेशक ने जनपद के सभी किसानों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर आवेदन कर बीज मिनीकिट प्राप्त करें।

अमेठी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कच्चे मकानों और फसलों पर संकट-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है जिससे लोगों को आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है। कच्चे मकानों में पानी भरने से गिरने का खतरा बना हुआ है, जिससे गरीब परिवारों में दहशत का माहौल है। वहीं, हाल ही में रोपाई किए गए धान के पौधे भी पानी में डूबने से सड़ने लगे हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिरने की आशंका है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से राहत और तत्काल निकासी व्यवस्था की मांग की है।

तेरा तुझको अर्पण क्या लगे मेरा सोनू यज्ञ सैनी-

बाबा डंडेश्वर नाथ धाम पर विशाल भंडारे का हुआ आयोजन-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जनपद के डंडेश्वर नाथ धाम पर सावन के अखिरी सोमवार को सुबह 4 बजे से ही भक्तों व श्रद्धालूओ की लंबी कतरे देखने को मिली हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आदि गंगा गोमती में स्नान कर जलाभिषेक किया क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यहां जो भी कोई सच्चे मन से दर्शन का कर जलाभिषेक किया मन मांगी मुराद मिली भंडारे में मुन्ना त्रिवेदी , शिवा सिंह,राम किशोर यज्ञसेनी, छेदीलाल यज्ञसैनी,उत्तम तिवारी , रजत मिश्रा युधिष्ठिर मिश्रा अन्ना, आलोक सिंह बाबा,शालू, विजय कौशल, दीपक मौर्या, अभय सिंह नारे , आर्यन आशीष जयसवाल आदि लोग मौजूद रहे

दिल्ली के वसंत कुंज में इलेक्ट्रिक कार की टक्कर से डिलीवरी ब्वॉय की दर्दनाक मौत, कार ड्राइवर की तलाश में जुटी पुलिस

दक्षिण दिल्ली। वसंत कुंज उत्तर थाना क्षेत्र में नेल्सन मंडेला मार्ग पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मुनिरका निवासी 40 वर्षीय राजकुमार, जो डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर काम करते थे, अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से जा रहे थे। तभी एक टाटा नेक्सन इलेक्ट्रिक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही राजकुमार ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपित कार ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह सड़क दुर्घटना न सिर्फ डिलीवरी एजेंट्स की सुरक्षा पर सवाल उठाती है, बल्कि ट्रैफिक नियमों और सड़क सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ाती है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

बाहरी दिल्ली के होलंबी कलां फेज-2 की झाड़ियों में छुपाये गए थे बम, बम स्क्वॉयड ने चलाया गहन तलाशी अभियान

बाहरी दिल्ली। राजधानी में सोमवार की सुबह बम स्क्वॉयड की टीम बमों की तलाश कर रही थी। आस-पास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। बम स्क्वॉयड के सदस्य होलंबी कलां फेज-2 स्थित झाड़ियों में विस्फोटक सामग्री की तलाश कर रही थी। मौके पर एनएसजी कमांडो और स्थानीय पुलिस भी मौजूद थी। शुरूआत में अफवाह उड़ी कि यह कार्रवाई किसी मामले में पहले गिरफ्तार किए गए बदमाशों की निशानदेही पर की जा रही थी। बताया जा रहा था कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वन विभाग की जमीन में विस्फोटक को छुपाया गया है। पहले भी इस जगह से विस्फोटक बरामद किए जा चुके हैं। अंत में मामला कुछ और निकला। इस जगह से पहले भी बरामद हुए थे बम इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये पुलिस ने बताया कि होलंबी कलां क्षेत्र में वर्ष 2023 में बरामद किए गए 10 देसी बमों को होलंबी कलां में एक अलग सुरक्षित भूमि में दफनाया गया था। बमों के सुरक्षित तरीके से दफनाने के बाद संबंधित विभागों को पत्र भी भेजा गया था। इसके जवाब में सभी संबंधित एजेंसियों जैसे एनएसजी, बीडीटी आउटर नॉर्थ और एफएसएल रोहिणी मौके पर पहुंची थी। बमों की तलाशी की यह कार्रवाई इसी संदर्भ में की जा रही थी। बमों के सुरक्षित निपटान के बाद टीम रवाना हो गई।

डेरा गांव में व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, प्लॉट का गेट बंद करने को लेकर हुआ था विवाद

दक्षिण दिल्ली। प्लॉट का गेट बंद करने को लेकर हुई मामूली कहासुनी में डेरा गांव स्थित बाबा मोहल्ला में रविवार आधी रात के बाद एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय संतलाल के रूप में हुई है। संतलाल वहां किराये में रहता था। वह माली का काम करता था। पुलिस ने हमलावर पीयूष यादव को गिरफ्तार कर उसके पास से वारदात में इस्तेमाल देसी पिस्टल बरामद कर ली है। झगड़े के थोड़ी देर बाद मार दी गोली इस संबंध में पुलिस ने बताया कि उस प्लॉट में अक्सर आस-पास के लोग हुक्का पीने बैठते थे। आरोपित पीयूष यादव भी वहां हुक्का पीने आता था। रविवार को भी वह वहां आया था। इस दौरान उसने संतलाल को गेट बंद करने के लिए कहा था, जिस पर दोनों में कहासुनी हो गई थी। उस समय पीयूष वहां से चला गया, थोड़ी देर बाद वह वापस आया और उसने संतलाल के सीने में गोली मार दी। पुलिस मामले की और गहनता से छानबीन कर रही है।

टेम्पो में छुपाकर चोरी-चुपके जानलेवा मांझा बेचने वाले दो गिरफ्तार, 660 रोल बरामद

नई दिल्ली। 15 अगस्त का समय नजदीक आते ही जानलेवा मांझे की खरीद-बिक्री करने वालों की सक्रियता बढ़ने लगी है। इसको लेकर सक्रिय क्राइम ब्रांच ने जानलेवा मांझे की खरीद-बिक्री में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 660 प्रतिबंधित रोल के अलावा अपराध में इस्तेमाल में एक टैम्पो व एक स्कूटी भी जब्त कर ली है। आरोपित गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित एक दुकानदार से कम कीमत में मांझा खरीदकर उसे दिल्ली में ऊंची कीमत पर बेचते थे। जानलेवा मांझे की बिक्री पर अंकुश डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम मनीष और सलीम पठान है। दोनों, मुरादनगर, गाजियाबाद के रहने वाले हैं। उनकी निशानदेही पर जानलेवा मांझे के कुल 660 रोल बरामद किए गए। जानलेवा मांझे की बिक्री पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी पूरी दिल्ली पुलिस को दी गई है। एसीपी रमेश लांबा व इंस्पेक्टर शिवराज सिंह बिष्ट की टीम को एक अगस्त को जानलेवा मांझे की बिक्री और खरीद में शामिल कुछ व्यक्तियों के बारे में सूचना मिली। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर मिलन गार्डन, मंडोली के पास छापा मार मनीष को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर टैम्पो से नौ कार्टन प्रतिबंधित मांझा बरामद हुए। इन्हें जब्त कर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई। टैम्पो किराये पर लेकर कर रहा था सप्लाई पूछताछ में मनीष ने बताया कि वह पिछले एक साल से मुरादनगर स्थित एक दुकान से कम कीमत में प्रतिबंधित मांझा खरीदकर दिल्ली में खरीदारों को ऊंचे दामों पर बेच रहा था। उसने आगे बताया कि बरामद मांझा पहुंचाने के लिए उसने मुरादनगर से सबोली, दिल्ली तक एक टैम्पो किराये पर लिया था। पांच साल से कर रहा पतंग का काम मुरादनगर के मेन बाजार में पतंग की दुकान चलाने वाले सलीम पठान से मांझा खरीदता था। उसकी निशानदेही पर सलीम पठान को उसकी दुकान से गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर उसकी दुकान से जानलेवा मांझे के 120 रोल और बरामद किए गए। पूछताछ में सलीम पठान ने बताया कि वह हरियाणा के करनाल निवासी एक व्यक्ति से प्रतिबंधित मांझा खरीदता था। मनीष, पहले मुरादनगर में अपने पिता के साथ किराने की दुकान चलाता था। सलीम पठान भी पिछले पांच साल से मुरादनगर के मुख्य बाजार में पतंग की दुकान चलाता है। वह ढाई साल से चोरी-छिपे प्रतिबंधित मांझा बेच रहा है।

हरियाणा के 1128 निजी स्कूलों पर संकट, शिक्षा विभाग ने बंद किया पोर्टल; नायब सरकार का बड़ा एक्शन

हरियाणा में शिक्षा विभाग ने 1128 निजी स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद कर दिया है। इन स्कूलों पर आरटीई के तहत गरीब बच्चों के लिए आरक्षित सीटों की जानकारी अपलोड न करने का आरोप है। शिक्षा विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। स्कूल संघ ने मुख्यमंत्री से मिलकर सुरक्षा गारंटी मांग की ताकि स्कूलों के बंद होने का डर खत्म हो।

चंडीगढ़। हरियाणा में हर साल अस्थायी मान्यता लेते आ रहे 1128 निजी स्कूलों का एमआइएस पोर्टल शिक्षा विभाग ने बंद कर दिया है। आरोप कि इन स्कूलों ने बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की। इससे इस बार इन स्कूलों की अस्थायी मान्यता पर खतरा मंडरा रहा है। शिक्षा विभाग ने अस्थायी मान्यता लेते आ रहे सभी 1128 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ का दावा है कि अधिकतर स्कूलों ने आरटीई के तहत खाली सीटों की जानकारी शिक्षा विभाग को मुहैया करा दी है। इसके बावजूद सत्यापन के दौरान विभिन्न कारणों के चलते इन स्कूलों का एमआइएस पोर्टल बंद कर दिया गया। संघ के राज्य प्रधान रविंद्र नांदल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिखे पत्र में कहा है कि जिस तरह प्रदेश सरकार ने हरियाणा के 1.20 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति तक सेवा सुरक्षा की गारंटी दी है, उसी तरह से इन स्कूलों को भी सुरक्षा गारंटी दी जाए ताकि इनके बंद होने का डर खत्म हो सके। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 28 अप्रैल को संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला था। मांगपत्र पर मुख्यमंत्री ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तीन महीने बाद भी शिक्षा निदेशालय द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत एमआइएस पोर्टल जरूर बंद कर दिया गया, जबकि इन स्कूलों ने आरटीई के तहत 25 प्रतिशत खाली सीटों की जानकारी भी दी थी। साथ ही विभाग द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब भी दे दिया है, लेकिन फिर भी पोर्टल नहीं खोला जा रहा। इससे इन स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के दाखिले सहित अन्य रिकार्ड अपडेट नहीं हो पा रहा है। कई स्कूलों में बनाए गए थे सीईटी के परीक्षा केंद्र प्रदेश प्रवक्ता अजय सैनी ने कहा कि एक तरफ जहां पिछले दिनों तृतीय श्रेणी पदों के लिए आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) में अस्थायी मान्यता प्राप्त कई निजी स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, वहीं दूसरी तरफ इनकी मान्यता को दरकिनार किया जा रहा है। प्रदेश सरकार को लाखों बच्चों भविष्य को देखते हुए तुरंत पोर्टल खुलवाना चाहिए ताकि उनका डेटा अपडेट हो सके। मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिखे पत्र में कहा है कि जिस तरह प्रदेश सरकार ने हरियाणा के 1.20 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति तक सेवा सुरक्षा की गारंटी दी है, उसी तरह से इन स्कूलों को भी सुरक्षा गारंटी दी जाए ताकि इनके बंद होने का डर खत्म हो सके।

पुलिस को देख घबराया युवक, तलाशी के दौरान मिली ऐसी चीज, पहुंचा जेल

टोहाना : टोहाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में किला मोहल्ला के दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राज और सिकंदर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6.43 ग्राम हेरोइन बरामद की है। थाना प्रभारी ने बताया ऑपरेशन आक्रमणके तहतक्राइम गश्त के दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि एक युवक नशीले पदार्थ की तस्करी कर रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम किला मोहल्ला पहुंची। वहां पुलिस को एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी राज के कब्जे से 6.43 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी राज से पूछताछ करने पर उसके भाई सिकंदर की भी संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने बाद में सिकंदर को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश जारी है।

पंचकूला में फास्ट फूड शॉप में ब्लास्ट, लोगों में मची अफरा-तफरी

पंचकूला : पंचकूला में एक फास्ट फूड की दुकान में अचानक ब्लास्ट हो गया। यह घटना कालका में हाउसिंग बोर्ड बस स्टैंड के सामने हुई। धमाका इतना जोरदार था कि बंद दुकान का शटर सड़क से कहीं दूर जा गिरा। ब्लास्ट होते ही दुकान में आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया है। फॉरेंसिक की टीम ने मौके पर पहुंचकर नमूने एकत्रित कर कार्रवाई शुरू की। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान का कोई नुकसान नहीं हुआ। बता दें कि दुकान के पास खड़ी बाइक और स्कूटी भी इस धमाके से गिर गईं। ब्लास्ट सुबह 10 बजे के करीब हुआ। ब्लास्ट के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है। अभी धमाके का कारण पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकेगा।

कल दिल्ली दौरे पर रहेंगे सीएम सैनी, SYL विवाद पर पंजाब से फिर करेंगे मंथन

हरियाणा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को दिल्ली दौरे पर रहेंगे. यहां वह दो महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे। पहली बैठक दोपहर 12:00 बजे हरियाणा भवन में प्रदेश के भाजपा सांसदों के साथ होगी, जिसमें केंद्र और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दूसरी बैठक शाम 4:00 बजे सतलुज-यमुना लिंक (रछ) को लेकर केंद्र सरकार और पंजाब के साथ होगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछली बैठक में कहा था कि यदि पंजाब को रावी और चिनाब नदियों से पानी मिलता है, तो वे हरियाणा को पानी देने में सहयोग करेंगे। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने इस मुद्दे पर सकारात्मक चर्चा की उम्मीद जताई थी, साथ ही जोर दिया था कि पंजाब और हरियाणा के बीच यह विवाद जल्द समाप्त होना चाहिए। रछ नहर विवाद दशकों पुराना है, जिसका उद्देश्य सतलुज और यमुना नदियों को जोड़कर दोनों राज्यों के बीच जल का समान वितरण करना है। हरियाणा ने अपनी ओर का 92 किलोमीटर नहर निर्माण पूरा कर लिया है, जबकि पंजाब ने 122 किलोमीटर के निर्माण को बीच में ही रोक दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में हरियाणा के पक्ष में फैसला सुनाया था, लेकिन पंजाब ने 2004 में जल समझौते को रद्द कर दिया, जिससे यह विवाद और जटिल हो गया।

शराब के लिए घर वालों ने नहीं दिए युवक को पैसे, फिर जो किया पढ़कर रह जाएंगे दंग

गोहाना : गोहाना में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। देर शाम को गोहाना के सोनीपत रोड पर ड्रेन नंबर आठ में एक युवक ने कूदकर अपनी जान दे दी। इसके बाद परिजनों ने शव को ढूंढने का प्रयास किया गया मगर शव नहीं मिला था। आज सुबह पुलिस ने ड्रेन आठ में सर्च अभियान चलाया तो उसका शव पानी के तैरता हुआ मिला, पुलिस ने शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान गोविंद उम्र तीस साल निवासी विष्णु नगर के रूप में हुई है। मृतक गोविंद नशे का आदि था। उसने अपने घर वालों से शराब पीने के लिए पैसे मांगे तो परिवार वालों ने पैसे देने से मना कर दिया। उसके बाद नाराज गोविंद ने ड्रेन आठ में छलांग लगा दी। उसके परिवार वालों ने उसे बचाने का प्रयास भी किया। मगर उसे रात में अंधेरा होने के कारण ढूंढ नहीं पाए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भी रात को उसे ढूंढने की कोशिश की।

5 करोड़ की हेरोइन के साथ युवक को काबू, पंजाब से नशा लाकर करते थे तस्करी

फतेहाबाद : फतेहाबाद पुलिस ने गांव धांगड़ के पास नशा तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए एक युवक को एक किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हिसार जिले के गांव पीरांवाली निवासी गुरमीत के रूप में हुई है।बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये है। यह खेप पंजाब से लाई गई थी और इसका वितरण हिसार तथा फतेहाबाद के आसपास के ग्रामीण इलाकों में किया जाना था। एसपी सिद्धांत जैन ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी गुरमीत एक आदतन अपराधी है और स्वयं भी नशे का आदी है। वह किसी बड़े सप्लायर के लिए काम करता था, जिसने यह बड़ी खेप पंजाब से मंगवाई थी। पुलिस का कहना है कि मुख्य सप्लायर की पहचान कर ली गई है और उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपी गुरमीत के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी समेत कुल 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसने कुछ पैसों और हेरोइन के नशे के बदले मोटरसाइकिल पर यह खेप पंजाब से हरियाणा पहुंचाई थी, जहां उसे गांव धांगड़ के पास दबोच लिया गया।

बृजेन्द्र सिंह ने हरियाणा सरकार पर जमकर साधा निशाना, बोले- प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है

उचाना : पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में केंद्र और हरियाणा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की हालत चिंताजनक हो चुकी है। प्रदेश में रोजाना बड़ी आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अपराधियों को पकड़ने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जींद, बहादुरगढ़, सोनीपत, सिरसा हर हफ्ते कोई न कोई गंभीर वारदात हो रही है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोई पकड़ा नहीं जाता। सरकार का पहला दायित्व लोगों को सुरक्षा देना होता है और अगर उसमें वह विफल होती है, तो इससे बड़ा फैलियर कोई नहीं। बृजेन्द्र सिंह ने हाल ही में हुए महादेव ऑपरेशन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ढाई महीने तक आतंकियों का ज़िंदा घूमना और फिर उसी दिन ही मारा जाना, जब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो रही थी, यह संयोग नहीं हो सकता। यह गंभीर सवाल उठाता है कि क्या उन्हें जानबूझकर जिंदा छोड़ा गया था? क्या यह सब एक टाइमिंग के तहत किया गया? उन्होंने विदेश नीति पर भी मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। अमेरिका, चीन और रूस तीनों महाशक्तियों में से कोई भी भारत के साथ नहीं दिख रहा। पाकिस्तान को अमेरिका ने फिर से गले लगा लिया है। चीन और अमेरिका दोनों आज पाकिस्तान के साथ खड़े हैं और रूस न्यूट्रल है। इससे बड़ी विदेश नीति की असफलता और क्या हो सकती है? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी चुनाव में हस्तक्षेप कर देश की छवि को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मीडिया को काबू में कर रखा है। इसके बावजूद सच्चाई छुपाई नहीं जा सकती। महादेव ऑपरेशन की सत्यता पर सवाल जनता के मन में हैं और ये जायज हैं।

2 साल से अपने बेटे फिरोज के साथ मिलकर स्मैक बेचने का काम कर रही थी

यमुनानगर : मलिकपुर खादर निवासी महिला शमीम अहमद जो पिछले 2 साल से अपने बेटे फिरोज के साथ मिलकर स्मैक बेचने का काम कर रही थी महिला ने इस काम में पूरे इलाके में अपना नाम सुर्खियों में बटोर रखा था, लेकिन पुलिस को इस महिला के बारे में कानों कान खबर तक नहीं थी। जैसे ही एंटी नारकोटिक सेल को इस महिला के बारे में पता चला तो एक टीम का गठन होने के बाद पुलिस ने महिला के घर पर रेड की। 254 ग्राम समैक बरामद पुलिस को देखते ही फिरोज तो मौके से भाग निकला, लेकिन महिला शमीम अहमद को समैक के साथ मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। महिला के पास से पुलिस ने मौके से ही तलाशी के दौरान 254 ग्राम समैक भी बरामद किया और यह सब जब हुआ तब एंटी नारकोटिक सेल टीम में महिला हेड कांस्टेबल और ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी साथ थे। महिला इस स्मैक को कहां से लाती थी और कहां सप्लाई करती थी इस पूरे मामले में अब पुलिस पूछताछ कर रही है लेकिन बड़ी बात तो यह थी कि अधेड़ उम्र की यह महिला जिसकी उम्र 50 पार कर चुकी है वह बिना किसी डर के नशा बेच रही थी फिलहाल पुलिस ने महिला को तो गिरफ्तार कर लिया है

दीपेंद्र हुड्डा ने जलभराव से बर्बाद फसलों का लिया जायजा, बोले- डबल मुआवजा दे सरकार

भिवानी : भिवानी ज़िला के जलभराव वाले गांवों में निरीक्षण करने पहुंचे कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भिवानी में बाढ़ जैसे हालात हैं, पर भिवानी की मंत्री, सांसद या विधायक को कोई चिंता नहीं। उन्होंने हरियाणा में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सीएम की कमजोरी को ज़िम्मेदार ठहराया। जलभराव व बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना इस साल भिवानी जिला के बवानीखेड़ा हलके के अधिकतर गाँवों में बार-बार हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इसको लेकर कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सासंद जयप्रकाश के साथ धनाना, तालु, पुर, सिवाड़ा, मुंढाल आदी गांवों में पहुंचे। उन्होंने यहां जलभराव से पीड़ित किसानों से मुलाकात भी की। इसके बाद जलभराव व बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। डबल मुआवजा दे सरकार- दीपेन्द्र हुड्डा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने सबसे पहले कहा कि भिवानी जिला में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। पर यहां की सिंचाई मंत्री, सांसद या विधायक दौरा तक करने नहीं आए। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सैनी कहते हैं कि बाढ़ तो अमेरिका में भी आती है। जो उनके राहत देने वाले कर्तृत्व को भुलाता है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि ये फसल बर्बाद हो गई है और गेहूँ की बिजाई भी संभव नहीं। ऐसे में सरकार को इस और अगली फसल के नुकसान का प्रति एकड़ 50-50 हजार रुपए मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेतों के साथ कई गांवों के घरों व स्कूलों तक पानी भर गया है। पर ये सरकार किसान, मजदूर व ग्रामीण विरोधी है। उन्होंने कहा कि मैं और सांसद जयप्रकाश किसानों की ये मांग लोकसभा व हमारे विधायक विधानसभा में उठाएंगे। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा द्वारा किसान हित में काम करने के दावे के सवाल पर आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार बड़ी-बड़ी बातें करने व मार्केटिंग कर खुद का गुणगान करने वाली सरकार है। वहीं हरियाणा में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा हत्या, फिरौती व महिला उत्पीड़न में देश में नंबर वन हो चुका है।

हरियाणा में 18 से 42 साल के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका, कृषि विभाग में 785 पदों पर होगी भर्ती

चंडीगढ़। हरियाणा में द्वितीय श्रेणी के 785 कृषि विकास अधिकारियों (प्रशासनिक संवर्ग) के पदों की भर्ती के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) आज मंगलवार को पोर्टल खोलेगा। पात्र युवा 25 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। भर्ती में सामान्य वर्ग के लिए 448, अन्य अनुसूचित जाति वर्ग (ओएससी) के लिए 83, वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी) के लिए 84, पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए) के लिए 57 पद, पिछड़ा वर्ग-बी (बीसी-बी) के लिए 24 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 89 पद रखे गए हैं। दिव्यांगों के लिए 27 और एक्स सर्विसमैन (ईएसएम) के 36 पदों पर भर्ती होगी। आवेदकhttp://hpsc.qov.in पर जाकर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यदि कोई उम्मीदवार डाउनलोड किए गए आवेदन पत्र की हस्ताक्षरित प्रति अपलोड नहीं करता है, तो उसका आवेदन अपूर्ण मानकर दावेदारी रद कर दी जाएगी। 18 से 42 वर्ष तक की आयु वर्ग के युवा आवेदन कर सकेंगे। मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विषय में बीएससी (आनर्स) की डिग्री होनी चाहिए। दसवीं तक संस्कृत या हिंदी या फिर बारहवीं तक हिंदी रही हो। युवा एच पी एस सी की अधिकारिक आयोग की वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। दिव्यांग उम्मीदवारों को आवेदन के लिए कोई फीस नहीं देनी होगी। सामान्य वर्ग के युवाओं को एक हजार तो महिलाओं और एससी-बीसी सहित अन्य आरक्षित वर्ग के युवाओं को 250 रुपये का शुल्क चुकाना होगा।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलती! ठगों ने अपनाया फ्रॉड का नया तरीका

अब ऐसे बैंक खाते से उड़ा रहे पैसा

फतेहाबाद। क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर साइबर फ्राड लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस के अनुसार साइबर ठग आम लोगों को बिटकाइन, इथेरियम और अन्य डिजिटल मुद्राओं में जल्द मुनाफे का लालच देकर फर्जी वेबसाइट्स और इंटरनेट मीडिया पेजों के माध्यम से जाल में फंसा रहे हैं। ये ठग मल्टीलेवल मार्केटिंग स्कीम, गारंटीड रिटर्न आफर या क्यूआर कोड व लिंक स्कैन कराकर निवेश करवाने के बहाने लाखों की ठगी कर चुके हैं। डिजिटल युग में सजग नागरिक बनना समय की आवश्यकता है। हर ऑनलाइन निवेश योजना को सच मानना खतरनाक हो सकता है। खासकर जब बात क्रिप्टोकरेंसी जैसी अनियमित डिजिटल संपत्ति की हो, जिसकी न तो भारतीय रिजर्व बैंक से मान्यता है और न ही यह भारत में वैधानिक भुगतान का माध्यम है। ठग क्रिप्टो में निवेश के नाम पर रिमोट एक्सेस एप्स से डिवाइस पर नियंत्रण पाते हैं और फिर पीड़ित के खाते से सीधा लेन-देन कर लेते हैं। कई बार पीड़ितों को फर्जी रिटर्न दिखाकर और अधिक निवेश के लिए उकसाया जाता है, जिससे वे और अधिक पैसे गवां बैठते हैं।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, सीरीज बराबर

लंदन (एजेंसी)। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को 6 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए। उन्होंने श्रृंखला में कुल 23 विकेट चटकाए और दोनों टीमों में सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत के 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन जब छह विकेट पर 339 रन बनाए थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेलना रोकना पड़ा था। इंग्लैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को चार विकेट की दरकार थी।

सिराज की अगुआई में भारत ने हालांकि इंग्लैंड को 85.1 ओवर में 367 रन पर समेट दिया और रोमांचक जीत दर्ज की। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी 126 रन देकर 4 विकेट चटकाए। कंधे में चोट बावजूद क्रिस वोक्स एक हाथ में बल्ले थामे अंतिम बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे और काफी दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहे लेकिन अंततः सिराज ने गस एटकिंसन (17) को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला मैच पांच विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि भारत ने बर्मिंघम में जोरदार वापसी करते हुए दूसरा टेस्ट 336 रन से जीता था। लार्ड्स में तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने 22 रन की रोमांचक जीत दर्ज की जबकि मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद भारत ने जो रूट और हैरी ब्रूक की शतकीय पारियों के बावजूद चौथी शाम चार विकेट चटकाकर जोरदार वापसी की और फिर श्रृंखला के अंतिम दिन जीत दर्ज की।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला बराबर की। पारी में 5 और मैच में कुल 9 विकेट लेकर जीत के सूत्रधार रहे मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जीत के बाद सिराज ने योजना का खुलासा किया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए बनाई थी।

सिराज ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम पहले दिन से ही कड़ी टक्कर देना चाहते थे और यह नतीजा देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारी योजना थी कि इसे सरल रखा जाए और एक ही जगह पर गेंद डाली जाए। आज जब मैं उठा तो मुझे विश्वास था कि मैं आज यह कर सकता हूं। अगर मैंने वह कैच ठीक से पकड़ा होता, तो शायद हमें आज यहां आने की जरूरत ही न पड़ती। लेकिन ब्रूक ने वाकई बहुत अच्छा खेला। यह दिल तोड़ने वाला पल था। वह बस मुझे गेंद को बीच में रखने के लिए कह रहे थे। अपने पिता को और यहां तक पहुंचने के लिए की गई आपकी कड़ी मेहनत को याद करो।'

गौर हो कि भारत ने टॉस हारने के बाद पहली पारी में करुण नायर के अर्धशतक (57) की बदौलत 224 रन बनाए। नायर के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज पहली पारी में चल नहीं सका। लेकिन मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 पर रोक दिया जिसमें जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक ने अर्धशतक लगाए।

इंग्लैंड द्वारा मामूली बढ़त (23) के बाद भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के शतक (118) और आकाशदीप (66), रविंद्र जडेजा (53) तथा वाशिंगटन सुंदर (53) के अर्धशतकों की बदलौत 396 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम की शुरूआत खराब रही लेकिन हैरी ब्रुक ने 19 रन पर मिले जीवनदार का फायदा उठाते हुए जो रूट (105) के बाद शतकीय पारी (ब्रुक 111) खेली। लेकिन करीबी मुकाबले में भारत ने मोहम्मद सिराज (5) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक UAE में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतरर्र टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए।

अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है। अपना पहला मैच चार सितंबर से खेलेगी।

फरहान और अयूब का शानदार प्रदर्शन, पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मैच 13 रनों से जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान की सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 47 रन जोड़कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने लय बरकरार रखी और पारी के मध्य तक टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 82 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान का दबदबा और बढ़ा दिया। फरहान ने अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। अयूब ने भी अपने साथी के साथ मिलकर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के लिए 100 रनों की शुरुआती साझेदारी पूरी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े, इससे पहले कि शमर जोसेफ ने 17वें ओवर में फरहान को 74 रन पर आउट कर दिया। हसन नवाज ने रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवाने से पहले कुछ बड़े शॉट खेले, इसके बाद हारिस रन आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। खुशदिल शाह और फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में 19 रन ठोक डाले और पाकिस्तान ने अपनी पारी 189/4 पर समाप्त की।

जवाब में 190 रनों का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एलिक अथानाजे और जेरलानी एंड्रयू ने भी अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े, इससे पहले कि हारिस राउफ ने 5वें ओवर में एंड्रयू को 24 रन पर आउट कर दिया। कप्तान शाई होप का बल्ले से रनों का सूखा जारी रहा और 9वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने उन्हें सात रन पर आउट कर दिया।

अथानाजे ने 11वें ओवर में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया, उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े, इससे पहले कि अगले ओवर में अयूब ने उन्हें 60 रन पर आउट कर दिया। रोस्टन चेज ने 15 रन बनाए लेकिन वे रन नहीं बना पाए और 18 गेंदों में जीत के लिए 41 रन शेष रहते रिटायर हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड ने 35 रनों पर महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू टीम अंततः लक्ष्य से 13 रन पीछे रह गई। फरहान को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि नवाज को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

यश ढुल ने डीपीएल 2025 का पहला शतक जड़ सेंट्रल दिल्ली किंग्स को दिलाई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2025) के दूसरे दिन का पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 8 विकेट से मात दी। यह मैच 3 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले के हीरो रहे युवा बल्लेबाज यश धुल, जिन्होंने सीजन का पहला शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज यश धुल ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 55 गेंदों पर शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में कुल 15 चौके-छक्के (8 चौके और 7 छक्के) जड़े। यश धुल ने 56 गेंदों में 101 रन बनाए और 180.36 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 17.3 ओवर में ही 177 रन बना लिए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यश के अलावा युगल सैनी ने भी उपयोगी योगदान दिया और 24 गेंदों में 36 रन बनाए। वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से दोनों विकेट कुलदीप यादव ने चटकाए, लेकिन बाकी गेंदबाज बिखरे नजर आए।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे। मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा।' टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।' भारतीय टीम 8 अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम - गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्साहन के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा। वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

ओवल। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी बूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे। वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी बूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं।' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11-6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हूं।''

इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती, राहुल ने इंग्लैंड पर जीत के बाद दिया पहला बयान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे पांचवें टेस्ट मैच में भारत की यादगार जीत के बाद टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल लोकेश राहुल ने सोमवार को इसे अपने अब तक के करियर की सबसे यादगार श्रृंखला करार दिया। इस मैच से पहले श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिए 35 रन की जरूरत थी। भारत के सामने चार विकेट लेने की मुश्किल चुनौती थी। मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 367 रन पर आउट कर छह रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के दौर पर 532 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'यह जीत मेरे लिए सब कुछ है। मैं पिछले कई साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा हूं। मैंने टीम को विश्व कप ट्रॉफी उठाते हुए देखा है लेकिन इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।' श्रृंखला के सभी मैच पांचवें दिन तक चले और क्रिकेट जगत ने इसे पांच मैचों की सबसे रोमांचक श्रृंखला में एक करार दिया। राहुल ने कहा, 'पिछले काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही है कि टेस्ट क्रिकेट का भविष्य क्या होगा लेकिन हमने जिस तरह से खेला है, उससे हमने उन सभी सवालों का जवाब दे दिया है।'

उन्होंने टीम के युवा खिलाड़ियों के जज्बे की तारीफ की। इस श्रृंखला से पहले हमें जीत का दावेदार नहीं माना जा रहा था लेकिन हमने हर मैच में संघर्ष किया और श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह श्रृंखला भले ही ड्रॉ रही हो लेकिन हमने हर मैच में जज्बा दिखा। यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए, यह सबसे ऊपर रहेगा और यहीं से बदलाव की शुरुआत होती है।'

राहुल ने कहा कि यह सिर्फ आगाज और यह टीम भविष्य में कई श्रृंखलाएं जीतेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम श्रृंखला में जीत की दावेदार नहीं थी लेकिन उसने हर मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम भविष्य में कई मैच और श्रृंखला जीतेगी। टीम में रोहित (शर्मा), विराट (कोहली) और रविचंद्रन (अश्विन) की गैरमौजूदगी के बारे में सोच कर मैं दो सप्ताह तक चिंतित था। मैं अचानक से अलग तरह की भूमिका में आ गया था। हर कोई मुझे से इंग्लैंड की परिस्थितियों के बारे में पूछ रहा था।'

उन्होंने गिल की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'गिल ने शानदार तरीके से कप्तानी की। वह खिलाड़ियों से शानदार तरीके से घुलमिल गए। वह रणनीतिक तौर पर शानदार थे, उन्होंने गेंदबाजी में कुछ शानदार बदलाव किए जिससे हम विकेट लेने में सफल रहे। वह शानदार टेस्ट कप्तान बनेंगें।

'कांतारा 2' की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा। साल 2012 में उन्हें टीवी शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें इंडियन टेली अवार्ड्स भी मिला।

टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो गुलमोहर ग्रैंड में अनाहिता मेहता फर्नांडीज के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में बॉक्स क्रिकेट लीग में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में ऐ जिंदगी के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई। आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म मल्ली रावा से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म देवदास में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों मेथी के लड्डू और कैद में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैलवान में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज परंपरा से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में एस्केप लाइव में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने रंगबाज- डर की राजनीति और तेलुगु एंथोलॉजी मीट क्यूट में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म रनवे 34 में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म क्लैप, तमिल फिल्म वीरपांडियापुरम, और तेलुगु फिल्म सिवुडु में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड, बेंच लाइफ, षष्ठीपूर्ति, और खाकी- बंगाल चैप्टर जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।

डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने, खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।' इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा। बता दें कि 'सैयारा के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

अब कभी एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज ईरानी

अभिनेता कायोज ईरानी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने सरजमीं से फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया है। उन्होंने इस बात को माना है कि वह एक्टिंग के लिए नहीं बने हैं। बॉलीवुड में एक्टिंग करने के बाद कायोज ने फिल्म बनाने की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज अजीब दास्तान का निर्देशन किया।

कायोज ने फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया

कायोज ने कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म बनाने का अनुभव लेने के बाद कायोज ने फैसला किया कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल फिल्म सरजमीं में करेंगे। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन में कदम रखा। उन्होंने बताया काजोल और पृथ्वीराज ने मुझे कभी यह नहीं लगने दिया कि मैं नया निर्देशक हूं। जब भी वो सेट पर रहे उन्होंने हमें बहुत इज्जत दी। उन्होंने मुझे सुना और यह एहसास दिलाया कि मैं उनका हिस्सा हूं।

एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज

कायोज ने यह माना कि उनका एक्टिंग की तरफ लौटने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैमरे के पीछे सहज महसूस करते हैं। एक्टिंग उनके लिए नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि आप हमें दोबारा एक्टिंग करते हुए देख पाएंगे क्योंकि मैं फिल्म बना रहा हूं। मैं हमेशा से यही करना चाहता था। मैं कैमरे के पीछे सहज हूं। यही मेरा मकसद था। आपको निराश करने के लिए मैं शर्मिंदा हूं। मुझे नहीं लगता कि एक्टिंग मेरे लिए है। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अदाकारी करने के अलावा कायोज ने यंगिस्तान और द लीजेंड ऑफ मिशेल मिश्रा में भी अदाकारी की।

फिल्म सरजमीं के बारे में

फिल्म सरजमीं में काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसके निर्माता करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता और अदार पूनावाला हैं। फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज हुई है। फिल्म में काजोल, पृथ्वीराज और इब्राहिम की आदाकारी की काफी तारीफ हुई है।

गली बॉय और गहराइयां से पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब धड़क 2 में नजर आ रहे हैं उन्होंने सीए से एक्टिंग तक के सफर, आउटसाइडर होने की चुनौतियों और नई फिल्म के अनुभवों पर खुलकर बात की...

करण जौहर के साथ गहराइयां 2 भी करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

बतौर आउटसाइडर इंडस्ट्री में अपने सफर को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरा सफर कभी भी पूरी तरह सहज नहीं रहा। वैसे भी, जिंदगी का रास्ता अक्सर ऊबड़-खाबड़ ही होता है। जब मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दुनिया छोड़कर अभिनय का फैसला किया, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी आंतरिक लड़ाई थी। एक तरफ सुरक्षित करियर और परिवार का सपोर्ट था, जबकि दूसरी तरफ अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही अनिश्चितता का साया मंडरा रहा था। कोई वादा नहीं, कोई गारंटी नहीं, न लॉन्चिंग की सुविधा। उस वक्त मुझे बस खुद पर यकीन करना था। मैंने खुद से कहा, अगर मैं डूबा भी तो खुद की वजह से डूबूंगा लेकिन कोशिश में कमी नहीं रखूंगा। यह मेरे भीतर की गहन जंग थी, जिसमें खुद को लगातार समझाना पड़ता था कि मेरे सपने टूटने नहीं चाहिए।

आपको क्या चीज प्रेरणा देती है कि आप एक्टिंग के लिए ही बने हैं?

मुझे मुझे लगता है आत्मविश्वास दो तरीकों से आता है, भरोसा और अनुभव। भरोसा तब मजबूत होता है जब आपमें यह विश्वास हो कि मैं कर सकता हूं और अनुभव के साथ यह और भी पक्का होता जाता है। बचपन में जब मैं शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों या गांव के आयोजनों में डीजे पर नाचता था, तो लोग बहुत खुश होते थे। उन दिनों मुझे फिल्मी डायलॉग बोलने का भी बहुत शौक था। धीरे-धीरे मुझमें भरोसा पैदा हुआ कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं।

सेंसर बोर्ड के कट्स से फिल्म पर क्या असर पड़ा?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि कोई खास फर्क पड़ा है। फिल्म देखकर हमें नहीं लगा कि कुछ छूटा है जो मामूली बदलाव हुए वे इतने छोटे है कि दर्शकों को पता भी नहीं चलेगा। सेंसर बोर्ड ने भी काफी समझदारी दिखाई और एक नपा-तुला रास्ता निकाला है। इमोशन और सीन्स की गहराई वैसी की वैसी बनी हुई है।

किस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे?

सीक्वल करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर गहराइयां 2 बनती है, तो मैं जरूर करना चाहूंगा। उस फिल्म में जो इमोशनल गहराई थी, वह मुझे अब भी बहुत ज्यादा अपील करती है। मुझे लगता है कि आज के दौर में वैसी फिल्में ही दर्शकों के दिल को छूती हैं। आम लव स्टोरीज का दौर अब थोड़ा पुराना हो गया है।

इतने बड़े बैनर से जुड़ना आपके लिए कैसा रहा?

धर्मा प्रोडक्शंस के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले मैंने गहराइयां में करण जौहर के साथ काम किया था और वहां हमारी अच्छी ट्यूनिंग बनी। करण सर ने खुद मुझे कॉल करके इस फिल्म का नरेशन सुनने के लिए बुलाया। शाजिया (डायरेक्टर) और राहुल ने कहानी सुनाई और मुझे तुरंत लगा कि यह स्क्रिप्ट दमदार है। उस समय नाम धड़क 2 नहीं था। यह एक स्वतंत्र कहानी की तरह थी। मुझे यह किसी प्रेशर की तरह नहीं लगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।